24 t|ykbl 2018 dk prFkl dk;oRr ^jktHkou e jke ukbld 2017&18* d ykdkil.k d volj ij epcbl d il Dyc e fgUnh i=dkj l?k }kjk vk;kftr i=dkj okrkl d fy, mRrj in'k d ekuuh; jkT;iky Jh jke ukbld dk lEck/ku

fi; i=dkj fe=k] ueLdkj!

राज्यपाल उत्तर प्रदेश के रूप में 4 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर 152 पृष्ठीय कार्यवृत्त ‘राजभवन में राम नाईक 2017–18’ के लोकार्पण में आप आये, इसके लिए मैं हृदय से धन्यवाद देते हुए आप सभी का स्वागत करता हूँ। मुंबई के प्रेस क्लब में हिन्दी पत्रकार संघ द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजन करने के लिए संघ को धन्यवाद भी देता हूँ।

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के पद पर कार्य करते हुए मुझे चार वर्ष पूर्ण हो गए हैं। 22 जुलाई, 2014 को मैंने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के पद की शपथ ली थी। पहले छः माह का कार्यवृत्त, फिर एक वर्ष पूरा होने पर लगातार मैं अपना कार्यवृत्त जारी कर रहा हूँ। वार्षिक कार्यवृत्त जारी करने की परम्परा का निर्वहन मैं विधायक, सांसद, केन्द्रीय मंत्री और सार्वजनिक जीवन में रहते हुए 1978 से आज तक करता आ रहा हूँ। अतः मैं राज्यपाल रहते हुए भी इस परम्परा का निर्वहन जवाबदेही एवं पारदर्शिता की दृष्टि से करता रहा हूँ। पत्रकार मित्रों ने भी मेरे कार्यवृत्त जारी करने की परम्परा को सराहते हुए राजनेताओं को ऐसा करने का संदेश पहुंचाया था और जनता ने भी इसे पसंद किया था। मेरे पास अनेक पत्र इस संबंध में आए थे जिनमें कार्यवृत्त जारी करने को एक सार्थक एवं अच्छी पहल बताया गया।

2017&18 d dk;ZoRr dh lf{kIr tkudkjh %

Ø0	fooj.k	l[;k 2017&18	l[;k 2016&17	l[;k 2015&16	l[;k 2014&15	dqy ;ksx
1	श्री राज्यपाल द्वारा नागरिकों से की गई मुलाकातें	6,724	5,752	6,682	5,810	24,968
2	आम जनता से प्राप्त पत्र	35,977	54,628	47,865	44,066	1,82,536
3	राजभवन में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम	50	55	28	32	165
4	लखनऊ में सम्पन्न सार्वजनिक कार्यक्रम	191	189	204	206	790
5	उत्तर प्रदेश में लखनऊ के बाहर के सार्वजनिक कार्यक्रम	109	82	135	110	436
6	उत्तर प्रदेश से बाहर के सार्वजनिक कार्यक्रम	28	32	20	42	122
7	विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह	25	25	22	21	93
8	केन्द्रीय / निजी शिक्षण संस्थान के दीक्षान्त समारोह	08	06	03	08	25
9	संस्थाओं की बैठकों की अध्यक्षता	09	07	14	09	39
10	माननीय मंत्री / राज्यमंत्री, भारत सरकार / उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री / मंत्री / माननीय न्यायाधीशगण, अन्य प्रदेशों के राज्यपाल एवं राजदूतों से राजभवन में भेंट	130	65	56	29	280
11	श्री राज्यपाल द्वारा माननीय राष्ट्रपति को लिखे पत्र	36	14	23	19	92
12	श्री राज्यपाल द्वारा माननीय प्रधानमंत्री को लिखे गए पत्र	39	39	55	37	170
13	श्री राज्यपाल द्वारा माननीय उपराष्ट्रपति, विभिन्न केन्द्रीय मंत्रियों एवं राज्यपालों को लिखे गए पत्र	155	108	93	64	420
14	श्री राज्यपाल द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र	450	326	398	120	1,294
15	श्री राज्यपाल द्वारा राज्य के मंत्रीगण को लिखे गए पत्र	221	88	60	55	424

16	राजभवन से जारी प्रेस विज्ञप्तियाँ	496	512	438	368	1,814

jkT; iky vkj o/kkfud dk;Z %

'भारत का संविधान' में राज्यपाल पद को बड़ी महत्ता दी गई है। राज्यपाल राज्य का संवैधानिक मुखिया होने के साथ–साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार के बीच सेतु की भूमिका में होते हैं। राज्यपाल जहाँ एक ओर राज्य सरकार की गतिविधियों में नजर रखते हैं वहीं दूसरी ओर आवश्यकतानुसार राज्य सरकार की बात को केन्द्र तक सशक्त ढंग से प्रस्तुत करने का भी कार्य करते हैं।

मैंने, राज्यपाल के पद की गरिमा एवं मर्यादा को सर्वोपरि रखकर ही संविधान की मंशा के अनुरूप कार्य किया है। मेरे समक्ष प्रस्तुत विषयों का राज्य के हित एवं आवश्यकता के अनुसार शीघ्र निपटारा किया गया है। मैंने 08 फरवरी 2018 को राज्य विधान मण्डल के वर्ष 2018 के प्रथम सत्र के लिए आहूत संयुक्त अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए 38 पृष्ठों का अपना पूरा अभिभाषण पढ़ा। अभिभाषण के समय विधान मण्डप में विपक्षी राजनैतिक दलों द्वारा विरोध प्रदर्शन तथा व्यवधान डाला गया परन्तु मेरे द्वारा संयमपूर्वक अपना अभिभाषण पूर्ण किया गया। 2007 के बाद यह प्रथम अवसर है जब किसी राज्यपाल ने पूरा भाषण पढ़ा।

कार्यवृत्त की अवधि (2017–18) में मैंने 15 अध्यादेश को अपनी अनुमति प्रदान की है। इसके साथ ही 42 विधेयक राज्य विधान मण्डल से पारित करवाकर राज्य सरकार द्वारा मुझे प्रेषित किए गए जिनमें से 24 विधेयकों पर मैंने अपनी अनुमति प्रदान की तथा 18 विधेयक माननीय राष्ट्रपति को संदर्भित किए हैं।

आजीवन कारावास एवं अन्य दोषों हेतु कारावास की सजा के कारण कारागार में निरूद्ध 808 सिद्धदोष बंदियों की दया याचिका से संबंधित पत्रावली राज्य सरकार से मुझे प्राप्त हुई। इन दया याचिकाओं के परीक्षणोपरान्त मैंने 79

सिद्धदोष बंदियों के समय पूर्व रिहाई के आदेश दिए तथा 729 सिद्धदोष बंदियों की दया याचिकाओं को रिहाई के लिए उपयुक्त नहीं पाया।

भारत के नियत्रंक–महालेखा परीक्षक द्वारा राज्य सरकार की वर्ष 2016–17 से संबंधित रिपोर्ट 06 जुलाई 2018 को मुझे प्राप्त हुई, जिसे मेरे द्वारा 10 जुलाई, 2018 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राज्य विधान मण्डल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने हेतु प्रेषित कर दी गई। कार्यवृत्त की अवधि में मुझे लोकायुक्त से 11 विशेष प्रतिवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें मेरे द्वारा उत्तर प्रदेश लोकायुक्त एवं उप–लोकायुक्त अधिनियम, 1975 की धारा 12(5) के अंतर्गत राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया गया।

jktHkou e dk;l fu"iknu %

कार्यवृत्त की अवधि में 35,977 लोगों ने मुझे पत्र भेजे, जिसको मैंने कार्यवाही हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया। इसके अतिरिक्त विभिन्न संगठनों तथा राजनैतिक पक्षों से 1,670 ज्ञापन प्राप्त हुए जिन्हें आवश्यकतानुसार अग्रसारित किया गया। इस अवधि में राजभवन से कुल 496 प्रेस विज्ञप्तियाँ मेरे विभिन्न कार्यक्रमों एवं अन्य से संबंधित जारी की गई।

lkoltfud dk;Øek e lgHkkx %

कार्य अवधि 2017–18 में राजभवन में 50 सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विविध प्रकार के परम्परागत कार्यक्रमों सहित अनेक नए कार्यक्रम भी सम्मिलित हैं। इसी प्रकार राजधानी लखनऊ में 191 सार्वजनिक कार्यक्रमों में सहभाग किया। कार्यवृत्त की अवधि में मैंने लखनऊ कि बाहर पूरे उत्तर प्रदेश में 109 तथा प्रदेश के बाहर 28 सार्वजनिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया है।

jkT;iky dk vodk'k%

राज्यपाल को एक वर्ष में उत्तर प्रदेश के बाहर आयोजित कार्यक्रमों में जाने के लिये कुल 73 दिन स्वीकृत हैं। इसके सापेक्ष मैं विगत वर्ष मात्र 24 दिन ही उत्तर प्रदेश के बाहर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुआ, जो 73 दिन का केवल 33 प्रतिशत ही है। इसी प्रकार राज्यपाल को 20 दिन का वार्षिक अवकाश उपभोग करने की अनुमति है। लेकिन मैंने अपने चार वर्ष के कार्यकाल में मात्र दो बार ही वार्षिक अवकाश का उपभोग किया। 03 से 12 अक्टूबर, 2015 तक कुल 10 दिन उत्तराखण्ड के नैनीताल और 14 से 22 मई, 2016 तक कुल 9 दिन हिमाचल प्रदेश के शिमला के भ्रमण पर रहा। वर्ष 2017 और 2018 में मैंने किसी प्रकार का व्यक्तिगत अवकाश नहीं लिया।

jkT; fo'ofo|ky;ksa dk dqykf/kifr dk :i esa dk;Z%

कुलाधिपति के रूप में उच्च शिक्षा में सुधार लाना मेरी पहली प्राथमिकता रही है और इसके निमित्त प्रारम्भ से ही समय–समय पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए एवं आवश्यकतानुसार दिशा–निर्देश भी जारी किए हैं। शैक्षिक सत्र 2017–18 के दौरान 25 विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह सम्पन्न होने थे जिनके सापेक्ष समस्त 25 विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुए। तीन विश्वविद्यालयों के नवीन होने तथा इनके विद्यार्थी उपाधियाँ प्राप्त करने हेतु अर्ह न होने के कारण इन विश्वविद्यायों में दीक्षान्त समारोह सम्पन्न नहीं हो सके। दीक्षान्त समारोहों में कुल 15,60,375 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई जिनमें से 7,97,646 अर्थात् 51 प्रतिशत छात्राओं ने उपाधियां अर्जित की। उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रदत्त कुल 1,653 पदकों में से 1,085 पदक अर्थात् 66 प्रतिशत छात्राओं को प्राप्त हुए। यह संख्या महिला सशक्तीकरण का सुखद संदेश देती है।

शैक्षिक सत्र 2018–19 में 26 विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह प्रस्तावित हैं, उनके दिनांक भी तय हुए है और वे 24 अगस्त से 15 नवम्बर, 2018 तक यानि 83 दिनों में पूरे होंगे। इससे स्पष्ट होगा कि विश्वविद्यालयों का शैक्षिक कैलेण्डर सुचारू ढंग से कार्यान्वित हो रहा है। पूर्व की स्थिति जब कुछ विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह तीन–चार वर्ष नहीं होते थे, सकारात्मक ढंग से बदल गई है।

गत 04 वर्षों के कार्यकाल में प्रत्येक वर्ष में दो बार कुलपति सम्मेलन आयोजित किए गए हैं जिनमें शैक्षिक सत्रों के नियमितीकरण, पारदर्शी कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने के निमित्त ऑन–लाइन प्रक्रिया का अधिकाधिक उपयोग करने, नकलविहीन वातावरण में परीक्षाओं का सम्पादन, परीक्षा परिणामों की समय से घोषणा, नियमित दीक्षान्त समारोहों को भारतीय वेशभूषा में सम्पन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं एवं उन्हें यथा सम्भव सुनिश्चित भी कराया गया। विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन करने के लिए एक समिति बनाई गई। समिति ने 44 बैठकों में विचार–विनिमय करके रिपोर्ट प्रस्तुत की, जो कार्यवाही हेतु राज्य सरकार को प्रेषित की गई है।

^dN fo'k"k* oRr %

चौथे वर्ष की कार्य अवधि में 'कुछ विशेष' घटनाएं हुई, उसमें से कुछ है : (1) प्रथम उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह, (2) सरोजिनी नायडू की योग्य प्रतिमा लगाए जाने का निर्णय, (3) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति की मेरी अध्यक्षता में स्थापना, (4) वैसे ही 2019 के 'कुम्भ' के आयोजन समिति की मेरी अध्यक्षता में स्थापना, (5) राज्य सरकार के प्रतीक चिन्ह के अनधिकृत प्रयोग का संज्ञान, (6) चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय योग

दिवस समारोह, (7) म्यांमार में आयोजित 'द इंटरफेथ डॉयलाग फॉर पीस' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन।

चौथे वर्ष में 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' समारोह मेरे लिए सबसे ज्यादा समाधान देने वाला कार्यक्रम है। इससे उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान मिली है। कार्यक्रम वाले दिन राज्य सरकार ने 'एक जिला एक उत्पाद' योजना की अवधारणा प्रस्तुत की थी, जिससे उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद की विशेषता सामने आई है। मेरा मानना है कि उत्तर प्रदेश की विशेषता जानने के बाद 'उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट–2018 में निवेशकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश में निवेश करने का निर्णय लिया है। यह मेरे लिए ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के निवासियों के लिए संतोष देने वाला विषय है।

e|cb&egkjk"V dh nf"V ls %

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का रिश्ता बहुत पुराना है। भगवान राम का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ था, पर वनवास के समय वे नासिक के पंचवटी में रहे थे। शिवाजी को महाराष्ट्र में कुछ सरदार छत्रपति राजा मानने के लिए तैयार नहीं थे। काशी से आमंत्रित पण्डित गागा भट्ट ने शिवाजी का राज्याभिषेक कराया तो उन्हें छत्रपति की मान्यता मिली। संगीत के क्षेत्र में महाराष्ट्र के पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे ने लखनऊ को अपनी साधना स्थली बनाई तथा देश के एकमात्र भातखण्डे संगीत संस्थान की स्थापना की। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य सांस्कृतिक आदान–प्रदान के लिए एमओयू (अनुबन्ध पत्र) पर हस्ताक्षर हुए। महाराष्ट्र सरकार ने भी उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मुंबई में आयोजित करने की सहमति जताई है।

उत्तर प्रदेश में रहते हुए महाराष्ट्र विशेषकर मुंबई से मेरा लगाव कम नहीं हुआ। मैं महाराष्ट्र से जुड़ी कुछ बातों का उल्लेख करना चाहता हूँ:–

1. उत्तर प्रदेश के राजभवन में महाराष्ट्र दिवस का आयोजन कराया।
2. डॉ0 भीमराव आंबेडकर का नाम सही कराया।
3. लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के अमर उद्घोष 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' के 101 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समारोह का आयोजन हुआ।
4. छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थापित कराई और मुंबई हवाई अड्डे पर छत्रपति शिवाजी महाराज का सही जन्म वर्ष अंकित कराया। इसी प्रकार आगरा किले के दीवान–ए–खास में स्थापित शिलापट्ट पर 1666 ई0 में शिवाजी के औरंगजेब से मिलने के उल्लेख के साथ कुछ भ्रामक तथ्य अंकित थे। मेरे प्रयास से शिलापट्ट से भ्रामक तथ्यों को हटाया गया। आगरा के एक चौराहे पर शिवाजी की मूर्ति का उचित रख–रखाव न होने पर मैंने उसके उचित रख–रखाव के निर्देश दिए।
5. छत्रपति शाहूजी महाराज की जन्मतिथि उत्तर प्रदेश के अभिलेखों में ठीक कराया। साथ ही साथ 26 जून, 2018 को लखनऊ के किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में छत्रपति शाहूजी महाराज की जयन्ती पर कोल्हापुर के प्रोफेसर सुनील कुमार लवटे का भाषण आयोजित हुआ जिसकी सर्वत्र सराहना हुई।
6. मुंबई स्नातक निर्वाचन में पोस्टल बैलेट की व्यवस्था न होने पर मैंने उसके लिए कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा की।

iqLrd ^pjSofr! pjSofr!!* laLd`r laLdj.k dk yksdkiZ.k %

इस अवधि में मेरी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' का देव भाषा संस्कृत में लोकार्पण 26 मार्च, 2018 को संस्कृत नगरी वाराणसी में माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सेवा ट्रस्ट हरिद्वार के अध्यक्ष स्वामी अवधेशानन्द गिरि, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री श्री मनसुख भाई मंडाविया आदि की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुस्तक की प्रथम प्रति माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द को भेंट की। विमोचन समारोह में बड़ी संख्या में संस्कृत विद्वान और हजारों की संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

lokZsRre izns'k dh opuc}rk %

देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' से बढ़कर 'सर्वोत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश के राज्यपाल के नाते मैं भी अपनी भूमिका के साथ वचनबद्ध रहता हूँ। इस कार्यवृत्त से यही स्पष्ट होगा ऐसा मुझे विश्वास है।

/kU;okn %

मेरे कार्य निष्पादन में मेरी पूर्व प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर का विशिष्ट योगदान रहा है। इसके साथ ही राजभवन के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों तथा पत्रकार मित्रों का भी बड़ा योगदान है।

अंत में मैं आप सभी पत्रकार मित्रों का धन्यवाद करता हूँ।

/kU;okn & ueLdkj